गीता निकेतन आवासीय विद्यालय, कुरुक्षेत्र ।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु ग्रीष्मावकाश गृहकार्य

(2018-19)

1. **गाँव/परिवार का इतिहासः**- कक्षा 6वीं से 12वीं के विद्यार्थियों को गाँव का इतिहास, इसका स्थापना वर्ष, जनसंख्या, उपलब्ध सुविधाएँ, साक्षरता दर, कुटिर उद्योग, भाषा-बोली, लोक गीत, लोक नृत्य, त्योहार मेले, पर्व, ऐतिहासिक स्थल बारे प्रोजैक्ट बनाने को कहें और इस कार्य में माता-पिता और अभिभावक उनकी मदद करें ।

2. **भोजन का उपयोग एवं पाक कलाः**- बच्चों का भोजन, अन्न संरक्षण आदि के बारे में बताएँ भोजन के दौरान जूठन न छोड़ने की आदत डाले उन्हें अनाज पैदा करने में लगने वाली मेहनत और खर्च होने वाले पानी के बारे में तथा अन्न के समुचित उपयोग के बारे में बताएँ । उन्हें विभिन्न स्थानीय रेसिपी भोजन बनाने, अचार, चटनी इत्यादि बनाने के लिए प्रशिक्षित करें एवं भोजन बनाने के कौशल से परिचित करवाएं । यह एक प्रोजेक्ट गतिविधि की भांति करवाया जाना चाहिए ।

3. **मेहनत के प्रति सम्मानः**- बच्चों द्वारा अपने बरतन स्वयं साफ करने, घर आंगन परिवेश स्वच्छ रखने, झाड़ू-पोचा लगाने, कूडे-करकट का समुचित निपटान करने को प्रेरित करें । उन्हें हरे कूड़ादान एवं नीले कूड़ादान में अन्तर बताएँ तथा अपने कपड़े स्वयं धोने की आदत डलवाएँ । ये जीवन कौशल है जो सीखने अति आवश्यक है ।

4. **पुस्तकों का अध्ययनः**- सभी विद्यार्थी विद्यालय के पुस्तकालय से मई के अन्तिम सप्ताह में कम से कम एक पुस्तक अवश्य लेकर जाएगें तथा पढ़ने के उपरान्त अपने पड़ोसी सहपाठियों के साथ परस्पर बदलेंगे । अभिभावक उन्हें कहानी सुनने, सुनाने और विभिन्न साहित्यिक मुद्दों पर चर्चा करने हेतु प्रोत्साहित करें । बच्चों में श्रवण कौशल का विकास करें ।

5. **दादा-दादी, नाना-नानी से वार्तालापः**- छुट्टियों के दौरान उन्हें अपने ननिहाल आदि भेजें जहाँ बुजुर्गों के साथ रीति-रिवाज, बाजार व्यवस्था, मुद्रा दर, सोने-चाँदी के, अनाज के, जमीनों

के भाव में समय के अनुसार आए बदलाव पर चर्चा करने को प्रोत्साहित करें । विवाहों एवं विभिन्न अवसरों पर गाए जाने वाले गीत, लोकगीत बारे जानकारी लेने में सहायता करें । लोक-कथा आदि के साथ-2 बुजुर्गों के प्रति सम्मान के भाव को समझने हेतु प्रोत्साहित करें ।

6. **कार्यस्थल का भ्रमणः**- यदि संभव हो तो अभिभावक अपने कार्यस्थल पर अपने बच्चों को लेकर जाएं उनको आपके द्वारा की जा रही मेहनत, आप द्वारा विभिन्न विषम परिस्थितियों में किये जा रहा कार्य के बारे में बताएं ताकि उनके अन्दर मेहनत के प्रति सम्मान का भाव पैदा किया जा सके । इसके साथ-साथ उन्हें विभिन्न रोजगार, कौशल आदि बारे जानकारी ग्रहण करने दें ।

7. **पेड़-पौधों का संरक्षण एवं पशु-पक्षिओं के प्रति संवेदनशीलताः**- बच्चों को पौधे लगाने के लिए अभिप्रेरित करें । उन्हें गमले उपलब्ध करवाएं । विभिन्न बीज लाकर दें ताकि वो किचन गार्डन बना सकें । विभिन्न प्रकार के फलदार, छायादार, फूलदार, हर्बल पौधें लगवाएँ । उन्हें छोटा पार्क बनाने के लिए अभिप्रेरित करें । इस दौरान यदि संभव हो तो उन्हें पशु-पक्षी आदि पालने के लिए कहें । पक्षियों के लिए दाना-पानी आदि का प्रबन्ध करें ।

8. **टी.वी. मोबाइल से दूरीः**- बच्चों को टी.वी. मोबाइल आदि से दूर रखें । उन्हें घर से बाहर खेलने के लिए प्रेरित करें सामाजिक कार्यों में भाग लेने को कहें । पेन्टिंग बनाने, संगीत सीखने, कविता-कहानी लिखने जैसे कला सम्बन्धित कार्य करने को दें । शतरंज, लूडो, कैरम आदि उनके साथ खेलें । अवकाश के दौरान कोई एक कौशल अवश्य सीखाएँ ।

9. **डाकघर बैंक खातों का संचालनः**- बच्चों को अपने बैंक/डाकघर आदि के काम के लिए साथ लेकर जाएँ । उन्हें चैक भरना, ड्राफ्ट बनवाना, बैंक में पैसे जमा करवाना, खाते से पैसे निकलवाना, ए.टी.एम. का प्रयोग, बिजली-पानी के बिल का भुगतान, बाजार से खरीदारी करना, अनाज मण्डी में होने वाली फसलों की खरीद आदि बारे प्रायोगिक जानकारी दें ।

10. **स्वच्छ भारत अभियानः**- बच्चों को घर, परिवेश, मोहल्ला आदि को साफ-सुथरा रखने के लिए सफाई अभियान चलाने को कहें । यदि संभव हो तो आप उनका मार्गदर्शन करें । उन्हें लक्ष्य प्रदान करें और लक्ष्य प्राप्ति उपरान्त प्रोत्साहन भी दें ।